Title: Reported kidnap of the Vice-Chancellor and the Registrar of Manipur University.

श्री मोहन सिंह (देवरिया) : अध्यक्ष महोदय, अमूमन मैं शून्यकाल में कोई बात उठाना नहीं चाहता हूं लेकिन मेरी मजबूरी है कि जो घटना हुई, मेरे परिचित लोग उसमें एक-आध हैं इसलिए गम्भीरतापूर्वक शासन का ध्यान आकृट करने के लिए इसे उठाना चाहता हूं। अभी पिछले दिनों आंतरिक सुरक्षा पर हुई बहस के दौरान माननीय गृह मंत्री जी ने दावा किया था कि मणिपुर की हालत सुधर रही है और अपेक्षा से अधिक सुधार हआ है लेकिन आज वहां के विश्वविद्यालय के कुलपति श्री एन. विजय और रजिस्ट्रार श्री आर. के. रंजन का अपहरण कर लिया गया है। मेरी जानकारी के अनुसार जिन लोगों ने अपहरण किया वे रजिस्ट्रार के परिवार से एक करोड़ रुपए की फिरौती मांग रहे हैं। प्रधान मंत्री ने वहां जाकर मणिपुर विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा देने की बात कही थी। कल हमने अल्पसंख्यक आयोग का विधेयक भी पास किया है। हमने उसमें मणिपुर विश्वविद्यालय से भी जो अल्पसंख्यक संस्थान हैं, उनको एफिलिएशन में छूट दी। जब वहां के कुलपति और रजिस्ट्रार का अपहरण हो गया, ऐसी हालत में आप समझ सकते हैं कि इस प्रावधान को कैसे इम्पलीमैंट किया जा सकेगा? आज पूरे देश की शैक्षिक संस्थाओं में दहशत का माहौल पैदा हो गया है। मैं गम्भीरतापूर्वक शासन का ध्यान इस ओर आकर्ति करते हुए गृह मंत्री जी से एक वक्तव्य चाहूंगा। इन दोनों व्यक्तियों के अपहरण के संबंध में भारत सरकार क्या कार्रवाई कर रही है? इन दोनों को अपहरणकर्ताओं से मुक्त करा कर एक सामान्य वातावरण बनाने की दिशा में भारत सरकार पहल करे।

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA (SOUTH DELHI): It is a very serious matter. The Government should respond.

MR. SPEAKER: I cannot compel them, you know that. You know it better than me that as and when a matter is raised, I cannot compel them to respond. It is entirely for the Government to respond.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Sir, this is a very serious matter. The Government should respond. It should not be so insensitive about this.

MR. SPEAKER: I am sure when matters are raised in the House the Government always considers them, and it is expected to send a reply.